

विषय-वस्तु

CONTENTS

1. पर्यावरण 1-10

- पर्यावरण की विभिन्न परिभाषाएँ
- पर्यावरण का अध्ययन क्यों?
- पर्यावरण का अध्ययन क्षेत्र
- वायुमण्डल
- जलमण्डल
- स्थलमण्डल
- जैवमण्डल
- पर्यावरण के तत्व
- भौतिक तत्व
- जैविक तत्व
- सांस्कृतिक तत्व
- पर्यावरण की संरचना एवं प्रकार
- भौतिक पर्यावरण
- जैविक पर्यावरण
- सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण
- पर्यावरण का महत्व
- पर्यावरण एवं संसाधन में संबंध
- जनजागरूकता
- पर्यावरणीय शिक्षा
- पर्यावरण शिक्षा की आवश्यकता क्यों?
- भारत में पर्यावरण शिक्षा की समस्याएँ

2. पारिस्थितिकी तंत्र 11-31

- अर्थ
- परिभाषायें
- क्रियाशीलता
- पारिस्थितिकी विज्ञान की शाखायें
- पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना
- पारिस्थितिकी तंत्र की विशेषताएं
- पारिस्थितिकी तंत्र के संघटक
- जैविक संघटक
- अजैविक संघटक
- पारिस्थितिकी तंत्र की क्रिया
- संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र
- पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता
- पारिस्थितिकी तंत्र में ऊर्जा प्रवाह
- आहारशृंखला
- आहार जाल
- पारिस्थितिकी तंत्र के प्रकार
- कुछ प्रमुख पारिस्थितिकी तंत्र
- वन पारिस्थितिकी तंत्र
- शंकु वन पारिस्थितिकी तंत्र
- घास पारिस्थितिकी तंत्र
- मरूस्थल पारिस्थितिकी तंत्र
- जलीय पारिस्थितिकी तंत्र
- पारिस्थितिकी पिरामिड
- जातियों की संख्या का पिरामिड
- बायोमास का पिरामिड
- ऊर्जा का पिरामिड
- पोषण स्तर
- पारिस्थितिकी तंत्रों में अजैविक घटकों के प्रति जैविक घटकों की अनुक्रियायें
- जैविक समुदायों में अन्तर्क्रिया
- अंतःजातीय संबंध
- अंतराजातीय संबंध
- उत्पादकता
- उत्पादकता का मापन
- पारितंत्रीय उत्पादकता को प्रभावित करने वाले कारक
- पारिस्थितिकी से संबंधित शब्दावली

3. जीवीय अनुक्रमण 32-36

- भूमिका
- स्थिरीकरण
- प्रतिक्रिया
- विवस्त्रीकरण
- प्रवास
- आस्थापन
- जीवीय अनुक्रमण के कारक
- जलवायु कारक
- मृदीय कारक
- भौतिक कारक
- जैविक कारक
- अग्निकाण्ड
- अनुक्रमण के प्रकार
- प्राथमिक अनुक्रमण
- द्वितीयक अनुक्रमण
- स्वजन्य अनुक्रमण
- बाह्य प्रभाव जन्य अनुक्रमण
- स्वपोषण अनुक्रमण
- महत्वपूर्ण तथ्य

4. सामुदायिक अन्तःक्रिया 37-47

- सामान्य प्रकार की अन्तःक्रियाएँ
- ऋणात्मक अन्तःक्रियाएँ
- जीवों के बीच अन्तःक्रियाएँ तथा परिणाम
- जातियों में प्रतियोगिता का प्रभाव
- पादप समुदाय
- पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस
- अंतराजातीय स्पर्धा
- परभक्षी (शिकारी) व उनके भक्ष्य (शिकार) के बीच अन्तः क्रिया का परिणाम
- सामुदायिक रचना पर की-स्टोन प्रजातियों का प्रभाव
- की-स्टोन प्रजाति का सूक्ष्म जलवायु पर प्रभाव
- की-स्टोन सूक्ष्मजीवियों का पर्यावरण पर प्रभाव
- परभक्षी की स्टोन प्रजातियों के रूप में
- अनुक्रमण

- अनुक्रमण की प्रक्रिया
- समुदाय के बीच ऊर्जा का प्रवाह
- पारिस्थितिकीय उत्पादकता
- पारिस्थितिकी तंत्र में पोषक पदार्थों की गति

5. जीवमण्डल 48-58

- जीवमण्डल संरचना तथा कार्य
- पारितंत्र की संरचना
- अजैव घटक
- जैव घटक
- जीवमण्डल: एक पारिस्थितिक तंत्र
- जीवमण्डल के उपतंत्र
- जीवमण्डल के परिवर्तनकर्ता
- जीवमण्डल, पारिस्थितिकी तंत्र एवं पर्यावरण के संघटक
- आहार शृंखला एवं खाद्य जाल
- ऊर्जा का प्रवाह
- पदार्थों का पुनःचक्रण
- पदार्थों के चक्र
- जल चक्र
- कार्बन चक्र
- नाइट्रोजन चक्र
- ऑक्सीजन चक्र

6. जैव विविधता 61-98

- अर्थ एवं परिभाषा
- पृथ्वी पर वितरण
- जैव विविधता के प्रकार
- जननिक विविधता
- प्रजातीय जैव विविधता
- पारिस्थितिकी तंत्र जैव विविधता
- जैव विविधता का मापन
- अला विविधता
- बीटा विविधता
- गामा विविधता
- जैव विविधता का महत्व
- जैव विविधता का उपयोग

- जैव विविधता का प्रवणता
- जैविक विविधता के संघटक का मूल्य
- पारिस्थितिक तंत्र सेवायें
- जैविक संसाधन
- सामाजिक लाभ
- वैश्विक जैव विविधता
- वैश्विक जैव विविधता को प्रभावित करने वाले कारक
- विविधता मापन
- वैश्विक जैव विविधता सूचकांक
- भारत की जैव विविधता
- भारत में 3 जैव विविधता हॉट-स्पॉट
- जैव भौगोलिक वर्गीकरण और जैव विविधता लक्षण
- जन्तु और वनस्पति विविधता
- कवक और लाइकेन विविधता
- समुद्री जैव विविधता
- घरेलू या पालतू जैव विविधता
- मवेशी विविधता
- स्रषि सम्बन्धी महत्वपूर्ण सूक्ष्म जीवों की आनुवांशिक विविधता
- पुनः स्थापन पारिस्थितिकी
- स्थलीय और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिति
- वन
- पौधो अच्छादन
- कार्बन भण्डार
- नम भूमियाँ या आर्द्र भूमियाँ
- मैंग्रोव, प्रवाल समुद्री घासों
- भारत में समुद्री संरक्षित क्षेत्र संजाल
- पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र
- संरक्षण के स्वस्थाने उपाय
- संरक्षण के पर-स्थाने उपाय
- जीवमण्डल आगार
- महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र
- प्रधान जैव विविधता क्षेत्र
- शून्य विलुप्तता के लिए समझौता या गठबंधन
- समुदाय संरक्षण क्षेत्र
- औषधीय पादप संरक्षण क्षेत्र
- प्रजातियों से संबंधित प्रवृत्ति

- “लैगशीप स्पिशीज
- बाघ
- हाथी
- जंगली गधा
- स्थलीय और जलीय/समुद्री स्थिति और जनसंख्या के रूझान
- जलीय जैव विविधाता एवं संरक्षण
- घड़ियाल
- इरावदी डॉलिन
- मीठे पानी का कुछुआ
- समुद्री कछुआ
- डगोंग
- संकटग्रस्त पादप प्रजातियाँ और उनके आवास की स्थिति और संरक्षण
- जैव विविधाता ह्रास के कारण
- राष्ट्रीय जैव-विविधाता लक्ष्य
- एन.बी.ए.पी. को अद्यतनीकरण की प्रक्रिया
- राष्ट्रीय जैव विविधाता लक्ष्य के सूचक
- जैव विविधाता संधि
- विश्व विरासत संधि
- रामसर (आर्द्र भूमि) संधि
- राष्ट्रीय जलीय पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण योजना
- नगोया प्रोटोकाल: 2010
- जैव विविधाता सम्मेलन: 2012
- सी.बी.डी.
- क्या है कांग्रेस ऑफ़ पार्टिज (COP)
- जैव सुरक्षा समझौता: कार्टाजेना प्रोटोकॉल

7. जैव उपचारण 99-104

- जैव उपचारण का कार्य क्षेत्र तथा आवश्यकता
- जैव उपचारण के पर्यावरणीय अनुप्रयोग
- परम्परागत अपशिष्ट और जल उपचार तंत्रों की यूरोपीय प्रगति
- जैव गैस उपचार प्रणाली
- औद्योगिक व्यर्थजल से विषैले रासायनों का निष्कासन
- ठोस अपशिष्टों और कचरे से जैव गैस
- अकार्बनिक संयुक्त का निष्कासन
- जैव उपचारण प्रौद्योगिकी का जापानी भू-मण्डलीय अनुप्रयोग

- जैव विगंधकन
- मरूस्थल निर्माण का उत्क्रमण
- भू-मण्डलीय ऊष्णता का उत्क्रमण
- जैव निम्नीकरण प्लास्टिक
- शैल रासायनिकों के लिए प्रतिस्थापन हाइड्रोजन ईंधन
- स्थान विशिष्ट परिशोधन पर अमेरिकी केन्द्र बिन्दु
- जल में संदूषित स्थानों का जैव उपचारण
- भूमि पर संदूषित स्थलों का जैव उपचारण
- भारी धातु-प्रदूषित स्थल
- पादपों द्वारा पर्यावरण शोधन की जैव प्रौद्योगिकी
- मृदा में भारी धातुओं की पुनःप्राप्ति
- पादप उपचारण
- भविष्य दृष्टिकोण

8. जलवायु परिवर्तन..... 105-119

- भूमिका
- जलवायु परिवर्तन के संकेत या प्रमाण
- हम कैसे जानते हैं कि धरती गर्म हो रही है?
- हम कैसे जानते हैं कि हरित ग्रह कैसे वर्तमान ताप वृद्धि के लिए उत्तरदायी हैं?
- हम कैसे जानते हैं कि मानव हरित गैसों की वृद्धि का कारण है?
- हरित गैसों का प्रभाव
- कितनी मानवीय गतिविधियाँ पृथ्वी को गर्म कर रही हैं?
- यह हम कैसे जानते हैं कि वर्तमान तपन में सूर्य का कोई योगदान नहीं?
- हम कैसे जानते हैं कि वर्तमान तपन प्रवृत्ति प्राकृतिक चक्र की वजह से नहीं?
- जलवायु मॉडल
- जलवायु परिवर्तन और प्रभाव (21 वीं सदी में और उसके बाद)
- वैज्ञानिक भविष्य के जलवायु परिवर्तन को कैसे प्रस्तुत करते हैं?
- वर्षा प्रतिरूप में कैसे बदलाओं की संभावना है?
- कैसे समुद्री आइस (ICE) और वर्षा प्रभावित होगी?
- तटीय क्षेत्र कैसे प्रभावित होंगे?
- कैसे पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होगा?
- कैसे कृषि और खाद्य उत्पादन प्रभावित होगा?
- वर्तमान जलवायु और विकल्प या उपाय
- विज्ञान उत्सर्जन को कैसे सूचित करता है? या सुझाव देता है?
- ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी के लिए क्या विकल्प है या उपाय क्या है?

- जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और तैयारी के लिए क्या विकल्प या उपाय हैं?
- भारत और जलवायु परिवर्तन
- जलवायु परिवर्तन के खतरे और संवेदनशीलताएँ
- भारत द्वारा किये गये महत्वपूर्ण उपाय
- जलवायु परिवर्तन के वित्त पोषण
- जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना के तहत आठ मिशन

9. जलवायु परिवर्तन पर हुए सम्मेलन..... 120-132

- जलवायु परिवर्तन पर हुए सम्मेलन
- पर्यावरण/जैवविविधता पर नवीनतम सम्मेलन/प्रोटोकाल

10. प्राकृतिक संसाधन 133-160

- विभिन्न परिभाषाएँ
- संसाधनों के वर्ग
- प्राकृतिक संसाधन
- मानव संसाधन
- वन संसाधन
- उत्पादक कार्य
- संरक्षण कार्य
- नियामक कार्य
- वनों का अतिदोहन
- वन संरक्षण एवं प्रबंधन
- सरकार द्वारा वनों के संरक्षण के लिए किये गये उपाय
- जल संसाधन
- जल का उपयोग
- जल संरक्षण एवं प्रबंधन
- खनिज संसाधन
- प्रमुख खनिज एवं उनके उपयोग
- खनिजों का विदोहन
- खनिज संसाधनों का संरक्षण
- खाद्य संसाधन
- खाद्य संसाधन का अति उपयोग
- ऊर्जा संसाधन
- पारम्परिक ऊर्जा स्रोत

- अपारम्परिक/वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत
- सौर ऊर्जा
- सौर प्रकाश का ऊष्मीय रूपान्तरण या सौर ताप
- सौर प्रकाश का विद्युतीय रूपान्तरण या सौर विद्युत
- बायोगैस
- गोबर गैस संयंत्र
- बायोगैस संयंत्र
- जलशक्ति
- पवन ऊर्जा
- ज्वारीय ऊर्जा
- हाइड्रोजन
- भू-तापीय ऊर्जा
- एल्कोहल
- लहरें या सागरीय तरंगों से ऊर्जा
- चुम्बकीय द्रवगतिकी
- महासागरीय ऊर्जा
- ऊर्जा संसाधनों का संरक्षण
- भू-संसाधन
- मृदा
- मृदा अवनति
- मानव जनित भूस्खलन
- मृदा-क्षरण
- भूमि संरक्षण
- मृदा संरक्षण
- घासस्थल संरक्षण
- नमभूमि संरक्षण
- भूस्खलन विरोधी सुरक्षा
- ऊर्जा दक्षता
- ऊर्जा दक्षता की आवश्यकता
- कृषि ऊर्जा संरक्षण

11. पर्यावरण अवनयन 161-179

- भूमिका
- पर्यावरण अवनयन तथा प्रदूषण
- पर्यावरण अवनयन के प्रकार
- पर्यावरण अवनयन की प्रक्रिया

- पर्यावरणीय समस्याओं एवं पर्यावरण अवनयन के कारण
- धार्मिक एवं दार्शनिक कारक
- वनविनाश तथा पर्यावरण अवनयन
- वन विनाश के कारण
- वन विनाश का पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव
- वन संरक्षण के उपाय
- कृषि विकास एवं पर्यावरण अवनयन
- जनसंख्या में वृद्धि तथा पर्यावरण अवनयन
- औद्योगिक विकास एवं पर्यावरण अवनयन
- नगरीकरण एवं पर्यावरण अवनयन
- आधुनिक प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण अवनयन

12. पर्यावरण प्रदूषण 180-218

- अर्थ
- मृदा प्रदूषण
- मृदा प्रदूषण के कारण या स्रोत
- मृदा या भूमि प्रदूषण का प्रभाव
- मृदा प्रदूषण पर नियंत्रण
- जल प्रदूषण
- जल प्रदूषण के दुष्प्रभाव
- जल प्रदूषण का नियंत्रण
- वायु प्रदूषण
- वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत
- वायु प्रदूषण के प्रभाव
- वायु प्रदूषण के नियंत्रण के उपाय
- वायु से प्रभावित समस्याएँ
- ध्वनि प्रदूषण
- ध्वनि प्रदूषण के स्रोत
- ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव
- ध्वनि प्रदूषण का नियंत्रण
- भारत में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के प्रावधान
- नाभिकीय प्रदूषण
- नाभिकीय प्रदूषण के कारण एवं प्रभाव
- नाभिकीय खतरों से बचाव व नियंत्रण
- तापीय प्रदूषण
- तापीय प्रदूषण के कारण एवं प्रभाव

- तापीय प्रदूषण का नियंत्रण
- ठोस अपशिष्ट प्रदूषण
- जैव प्रदूषण
- जैव प्रदूषण के आतंक से निपटने के उपाय
- रेडियोधर्मी प्रदूषण
- विकिरण के रूप में रेडियोधर्मी प्रदूषण
- जीवित अवयवों पर रेडियोधर्मी प्रदूषण के दुष्परिणाम
- रेडियोधर्मी कचरे का प्रबंधन
- रेडियोधर्मीता की इकाईयां
- परमाणु विस्फोट और पर्यावरण
- रेडियोधर्मी प्रदूषण पर नियंत्रण के उपाय
- विकिरण खतरों का नियंत्रण
- परमाणु विकिरण की प्रमुख दुर्घटनाएं
- प्लास्टिक प्रदूषण
- कीटनाशक प्रदूषण
- वनोन्मूलन
- वनोन्मूलन या वन विनाश
- वनोन्मूलन या वन विनाश के कारण
- वनोन्मूलन के प्रतिकूल प्रभाव
- वनोन्मूलन या वनोन्मूलन को रोकने के उपाय
- पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकारी उपाय
- ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना एवं पर्यावरण संरक्षण
- पर्यावरण संरक्षण संबंधी सुझाव
- विनियामक नीति
- सुरक्षात्मक नीति
- पर्यावरण प्रदूषण: कुछ दुर्घटनायें
- भोपाल गैस त्रासदी
- चेर्नोबिल नाभिकीय विस्फोट
- तुकुशिमा दार्इची आपदा, जापान
- भूमिगत जल में आर्सेनिक प्रदूषण
- भूमिगत जल में क्लोराइड प्रदूषण

13. पर्यावरण नियोजन एवं प्रबंधन 219-225

- पर्यावरण
- पर्यावरणीय संसाधन
- विकास और पर्यावरण

- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रबन्धन
- संसाधन प्रबन्धन
- पर्यावरण गुणवत्ता प्रबन्धन
- पर्यावरण प्रबन्धन क्या है?
- पर्यावरण प्रबन्धन के प्रमुख उद्देश्य
- पर्यावरण प्रबन्धन की आवश्यकता क्यों?
- पर्यावरण प्रबन्धन के पारिस्थितिकी आधार
- पर्यावरण प्रबन्धन के पक्ष
- पर्यावरण प्रबन्धन की चुनौतियाँ

14. पर्यावरण प्रभाव आकलन 226-230

- अर्थ या संकल्पना
- पर्यावरण अधिप्रभाव के आकलन की विधियाँ
- पर्यावरणीय अधिप्रभाव के आकलन के सोपान
- EIA में आकलन किए जाने वाले तत्व
- EIA के कार्य
- EIA में प्रयुक्त तकनीकी
- EIA के मौलिक घटक
- पर्यावरणीय अधिप्रभाव - आकलन की लिओपोल्ड विधि
- लिओपोल्ड मैट्रिक्स के आधार पर प्रस्तावित योजना के पर्यावरणीय अधिप्रभाव का मूल्यांकन
- भारत में EIA
- संकल्पना के दोष
- EIA में कठिनाइयाँ
- उद्देश्य
- पर्यावरणीय प्रभाव-मूल्यांकन प्रक्रिया
- नदी घाटी परियोजनाएँ
- उत्खनन परियोजनाएँ
- औद्योगिक परियोजनाएँ
- तटीय क्षेत्र प्रबन्धन
- परिवहन क्षेत्र
- आणविक ऊर्जा

15. सतत् या पोषणीय विकास 231-237

- परिभाषा
- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- भारतीय परिपेक्ष में
- अर्थ एवं परिभाषा
- सतत् विकास की विशेषताएँ
- व्यक्तियों को प्रमुख स्थान
- समानता पर जोर
- मानव विकास
- पर्यावरण संरक्षण
- गुणात्मक सुधार
- सतत् विकास की शर्तें
- सतत् आर्थिक विकास का महत्व
- सतत् विकास की माप: हरित राष्ट्रीय आय या हरित लेखांकन
- हरित निर्देशांक
- आर्थिक संवृद्धि, आर्थिक विकास तथा सतत् विकास में अंतर
- सतत् विकास या पर्यावरण संरक्षण हेतु अंतर्राष्ट्रीय प्रयास
- स्टॉकहोम सम्मेलन (1972)
- वियना सम्मेलन (1985)
- मांट्रियल प्रोटोकॉल (1987)
- ओजोन बचाओं सम्मेलन (1989)
- पृथ्वी शिखर सम्मेलन (1992)
- क्योटो सम्मेलन (1997)
- मांट्रियल सहमति (1997)
- जोहान्सबर्ग में सतत् विकास सम्मेलन
- सतत् विकास की दीर्घकालीन रणनीति
- संसाधनों का ज्ञान
- वनस्पति संरक्षण
- पशु-पक्षियों व कीट-पतंगों का संरक्षण
- जल का उचित उपयोग
- ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत का उपयुक्त उपयोग
- अपशिष्टों का पुनःचक्रण
- पर्यावरण के क्षेत्र में शोध
- संसाधनों का संवर्द्धन
- सीमित संसाधनों का उचित उपयोग
- संतुलित विकास
- पर्यावरणीय शिक्षा
- अन्य उपाय

16. संविधन एवं पर्यावरण..... 238-242

- भूमिका
- पर्यावरण संरक्षण कानून
- कीटनाशक अधिनियम, 1968
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
- वायु (प्रदूषण निरोधक एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981
- जल (प्रदूषण निरोधक एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974
- वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972
- वन्य संरक्षण अधिनियम, 1980
- जैव विविधता अधिनियम, 2000
- राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण
- पर्यावरण संबंधी कानूनों की कमियाँ

17. पर्यावरण संगठन 243-257

- वर्ल्डवाइड फंड फॉर नेचर इंडिया
- द बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी
- भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ़ एनवायरमेंट एजुकेशन एंड रिसर्च
- विज्ञान और पर्यावरण केन्द्र
- पर्यावरण शिक्षा केन्द्र
- सी.पी.आर. एनवायरमेंटल सेंटर
- द सलीम अली सेंटर फॉर आर्निथोलॉजी एण्ड नेचुरल हिस्ट्री
- द बोटैनिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया
- कल्पवृक्ष
- द वाइल्ड लाइफ़ इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडिया
- उत्तराखण्ड सेवा निधि
- द मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट
- जुलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया
- वानिकी अनुसंधान संगठन
- जलवायु और पर्यावरण अनुसंधान संस्थान
- हिमनद प्राधिकरण
- कीटनाशक प्रतिपादन तकनीक संस्थान
- ओजोन प्रकोष्ठ
- राष्ट्रीय नदी संरक्षण निदेशालय
- हरित जलवायु कोष
- केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सी.पी.सी.बी.)

- राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण
- प्राकृतिक संसाधन सर्वेक्षण और अन्वेषण
- भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
- भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण
- भारतीय वन सर्वेक्षण
- केन्द्रीय आर्द्रभूमि विनियामक प्राधिकरण
- राष्ट्रीय वनरोपण और पारिस्थितिकी विकास बोर्ड
- जीव संरक्षण निकाय
- वन्य जीव प्रभाग
- वन्य जीव अपराधा नियंत्रण ब्यूरो
- भारतीय वन्य जीव संस्थान
- केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण
- हाथी परियोजना
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण
- राष्ट्रीय वानिकीकरण और पारिस्थितिकी विकास बोर्ड
- राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय
- वानिकी शिक्षा, प्रशिक्षण और विसरण
- उत्कृष्टता केन्द्र
- भारतीय पशु कल्याण बोर्ड
- केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण
- पर्यावरण संबंधी भारतीय संगठन
- आपदा प्रबन्धन
- राष्ट्रीय संगठन एवं अभिकरण
- सरकारी मंत्रालय और विभाग
- शैक्षिक और प्रशिक्षण संस्थान
- अनुसंधान संगठन
- अन्तर्राष्ट्रीय संगठन एवं अभिकरण

| | |
|------------------------|---------|
| 18. शब्दावली | 258-271 |
| 19. विविधा | 272-276 |
| 20. स्मरणीय तथ्य | 277-288 |